BA III Organisational psychology

Q. व्यक्तित्व के प्रमुख निर्धारक तत्वों या घटकों की विवेचना करें।

Ans:- क्लुकॉहन एवं मुरे का मत है कि व्यक्तित्व का विकास उन प्रक्रियाओं से संबंधित है जिनसे बच्चे धीरे-धीरे अपने बाह्य व्यवहार के प्रारुप सीखते हैं। आधुनिक विकासात्मक मनोविज्ञान यह स्वीकार करता है कि मानव व्यक्तित्व के विकास में पैतृकता, वातावरण, परिपक्वता तथा सीखना सभी का योगदान होता है।

व्यक्तित्व के प्रमुख निर्धारक तत्व - मानव व्यवहार को समझने के लिए व्यक्तित्व को समझना आवश्यक है। व्यक्तित्व के निर्धारण में अनेक घटकों का योगदान होता है। शारीरिक घटक, संज्ञान एव मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के अतिरिक्त अनेक घटक व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देते है।

व्यक्तित्व के प्रमुख निर्धारक घटक निम्नलिखित है -

(1.) वंश परम्परा :- मनोवैज्ञानिक मत यह है की कुछ सीमा तक वंशानुगत लक्षण भी व्यक्तित्व को निर्धारित करते है। स्टैग का मत यह है कि व्यक्ति को अपने वंशक्रम के द्वारा जीवित रहने और विकास करने हेतू अपेक्षित आधारभूत संरचना की प्राप्ति होती है।

(2.) शारीरिक संरचना :- शरीर की संरचना में अनेक घटक जैसे शरीर का आकार स्नायुविक प्रणाली, प्राण प्रणाली,

रक्तचाप कद, दिमागी प्रणाली आदि भी व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करते है। शारिरिक प्रक्रियाओं के सही संचालन से बुद्धि, मानसिक योग्यता आदि का विकास होता है।

3. वातावरणीय प्रभाव - व्यक्तित्व विकास वातावरणीय घटकों से बहुत अधिक प्रभावित होता है मनुष्य का सामाजिक ~~मूल्य~~ वातावरण। घर, परिवार, संस्कृति समुदाय, सामाजिक मूल्य, साहित्य दर्शन शिक्षण, मनोविनोद के साधन आदि मनुष्य के व्यक्तित्व को ढालते है। संपुर्ण परिवेश की व्यक्तित्व के विकास में ~~बाधा~~ विशेष भूमिका रहती है

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
Subject - Organisational Psychology
Papper - VI
U.R. College Rosera Samastipur
9570435959, 9431852888

Scanned by TapScanner